जब बाकी करते हैं डिफेंड, विराट स्लेजिंग करते हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज अल–अलीम हुसैन ने कहा है कि उनकी नजर में विराट कोहली बाकी बल्लेबाजों से इस लिहाज से अलग हैं कि वह हर गेंद पर गेंदबाज को स्लेज करते हैं। हुसैन ने कहा कि बाकी बल्लेबाज अच्छी गेंद को डिफेंड करते हैं लेकिन विराट गेंदबाज को स्लेज करते हैं। बांग्लादेश की क्रिकफ्रेंजी वेबसाइट के फेसबुक लाइव पर बोलते हुए हुसैन ने कहा, जब भी आप विराट को कोई डॉट बॉल फेंकेंगे तो वह आपको स्लेज करेंगे। वह आपको ऐसी बातें कहेंगे जो आप दर्शकों के सामने नहीं बोल सकते। वह गेंदबाज पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं, मानसिक रूप से उन्हें परेशान करना चाहते हैं। विराट कोहली कई बार मैदान पर विपक्षी खिलाड़ियों के साथ जुबानी जंग करते नजर आए हैं। ऐसा देखा गया है कि इसके बाद भारतीय कप्तान का जोश अकसर बढ़ जाता है। हुसैन ने आगे कहा, मैंने क्रिस गेल, शिखर धवन, रोहित शर्मा और दुनिया के अन्य महान बल्लेबाजों को गेंदबाजी की है। कोई भी ऐसा नहीं करता। जब आप अच्छी गेंद फेंकते हो तो वे डिफेंड करते हैं। कोहली ऐसे नहीं हैं, वह आपको जवाब में स्लेज करेंगे।

हरभजन सिंह से डरती थी ऑस्ट्रेलियाई टीमः सुरेश रैना

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। नब्बे के दशक से क्रिकेट की दुनिया में ऑस्ट्रेलिया का जो दबदबा शुरू हुआ वह अगले कई साल तक जारी रहा। एक दशक से भी ज्यादा समय तक ऑस्ट्रेलियाई टीम ने क्रिकेट पर राज किया। लेकिन एक खिलाड़ी ऐसा था जिससे कंगारू टीम भी खौफ खाती थी। टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान और सुरेश रैना ने इस नाम का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रेलियाई टीम हरभजन सिंह से भयभीत रहती थी।

इंस्टाग्राम पर लाइव सेशन के दौरान ये दोनों खिलाड़ी कोरोना वायरस पर चर्चा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने हरभजन सिंह के प्रभाव के बारे में चर्चा करनी शुरू कर दी। इरफान ने कहा, भज्जी पा इस खेल के दिग्गज हैं। आप विश्व क्रिकेट में किसी दूसरे ऐसे ऑफ स्पिनर का नाम बताइए। वह लीजेंड हैं और 100 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। इस पर रैना ने आगे कहा, श्हरभजन सिंह एक फाइटर हैं। उन्होंने हमें ऑस्ट्रेलिया में मैच जितवाए हैं। ऑस्ट्रेलियाई हमेशा हरभजन सिंह से दूर रहा करते थे। इरफान ने कहा, श्हरभजन सिंह का नाम सुनकर ऑस्ट्रेलियाई ठहर जाते थे।

भज्जी पा इस खेल के दिग्गज हैः इरफान पठान

हरभजन सिंह ने भारत के लिए आखिरी टी20 इंटरनैशनल 2016 में खेला था। उन्होंने भारत के लिए 103 टेस्ट मैचों में 417 विकेट लिए हैं। हरभजन सिंह 2007 वर्ल्ड टी20 और 2011 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य रहे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी उनका रेकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने कंगारू टीम के खिलाफ 18 टेस्ट मैचों में 29.95 के औसत से 95 विकेट लिए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डंस टेस्ट में साल 2001 में हैट ट्रिक ली थी। वह भारत की ओर से टेस्ट क्रिकेट में तिकड़ी लेने वाले पहले गेंदबाज हैं।

हाल ही में रोहित शर्मा के साथ चर्चा में हरभजन ने बताया था, रिकी पॉन्टिंग सिर्फ मेरा चेहरा देखकर आउट हो जाता था। मुझे उसे बोलिंग करने की जरूरत भी नहीं थी। जब वह मुंबई इंडियंस के लिए खेलने आया, तो मुझे लगा कि मुझे नेट्स में खेलकर उसमें सुधार आएगा। लेकिन वहां भी मैंने उसे 5–6 बार आउट कर दिया।

हरभजन सिंह ने शेयर किया वीडियो

कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के चलते दुनियाभर में खेल गतिविधियों पर ब्रेक लगा हुआ है। ऐसे में भारतीय क्रिकेटर्स अपने खाली समय का ज्यादातर इस्तेमाल सोशल मीडिया पर कर रहे हैं। क्रिकेटर सोशल मीडिया पर काफी पोस्ट कर रहे हैं। और उन पर फैंस की जबर्दस्त प्रतिक्रिया भी मिल रही है।

हैरान हूं आखिर किस आधार पर ऑस्ट्रेलिया को नंबर 1 रैंकिंग मिली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की रैंकिंग पर सवाल उठाए हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया को एक बार फिर टेस्ट में नंबर एक के पायदान पर बैठाया गया है। गंभीर ने कहा कि भारत ने हाल के कुछ अर्से में टेस्ट क्रिकेट में अधिक प्रभाव छोड़ा है। टीम ने विदेशी धरती पर भी जीत हासिल की है, खासतौर पर ऑस्ट्रेलिया में।

गंभीर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को किस आधार पर नंबर 1 की रैंकिंग दी गई है, जबकि भारतीय उपमहाद्वीप में उसका प्रदर्शन श्बेहद खराबश रहा है। भारतीय टीम 42 महीने से आईसीसी की टेस्ट टीम रैंकिंग में चोटी पर थी

लेकिन इस महीने की शुरुआत में आईसीसी ने नए नियमों के तहत रैंकिंग में बदलाव किया, जिसके बाद भारत तीसरे स्थान पर पहुच गया और ऑस्ट्रेलिया पहले पर आ गया।

आईसीसी ने इस रैंकिंग सिस्टम से 2016–17 के सीजन को हटा दिया था। गंभीर ने आईसीसी के इस फैसले पर कहा कि भारतीय टीम ने हाल के दौर में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, नहीं, मैं भारत के तीसरे स्थान पर खिसकने से हैरान नहीं हूं। मुझे पॉइंट्स और रैंकिंग सिस्टम पर भरोसा नहीं है। शायद, टेस्ट चौंपियनशिप में सबसे खराब पॉइंट सिस्टम है... आप घरेलू मैदान पर मैच जीतें या विदेशी धरती पर, आपको बराबर अंक मिलते हैं। यह बेकार है।

गंभीर ने कहा, हां, बेशक। यह पॉइंट्स सिस्टम अजीब है। अगर आप पूरी नजर से देखें, तो भारत ने विदेशी धरती पर सीरीज गंवाई हैं लेकिन ऑस्ट्रेलिया में जीती हैं। निसंदेह, वह सबसे अच्छा प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने वाली टीम है। उन्होंने साउथ अफ्रीका में टेस्ट मैच जीता, इंग्लैंड में टेस्ट मैच जीता.. . कई देश ऐसा नहीं कर पाए। विदेशी धरती पर उनका प्रदर्शन बहुत खराब रहा है, खासतौर पर भारतीय उपमहाद्वीप में।

ब्रेक से लक्ष्यों की समीक्षा का मौका मिलाः एस. बद्रीनाथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चेन्नै। पूर्व भारतीय बल्लेबाज एस बद्रीनाथ ने कहा है कि कोरोना वायरस के कारण हुआ लॉकडाउन क्रिकेटरों सहित सभी खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती है। लेकिन यह साथ ही लक्ष्यों का पुनरू आकलन करने तथा शारीरिक और मानसिक स्थिति बेहतर करने में निवेश का मौका भी देता है। कोविड–19 महामारी से अब तक दुनिया भर में 41 लाख से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं और तीन लाख के करीब लोगों की जान गई है। इसके कारण दुनिया भर में लगभग सभी खेल गतिविधियां ठप्प पड़ी हैं। हाल में मानसिक कौशल की ट्रेनिंग दे रही कंपनी एमफोर को शुरू करने वाले बद्रीनाथ ने कहा, यह सभी खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण समय है... इस समय उन्हें खेलना चाहिए था, उन्होंने अपने लिए लक्ष्य तय किए थे। यह अच्छा समय है कि लक्ष्यों का पुनः आकलन किया जाए और आगे के बारे में सोचा जाए। भारत की ओर से 2 टेस्ट और सात एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले 39 साल के बद्रीनाथ ने कहा कि ब्रेक के दौरान खिलाड़ी छोटी–मोटी चोटों से उबर सकते हैं और अपने शरीर और मानसिक कौशल पर काम कर सकते हैं।

न्यूज डायरी

मेरे लिए बैगी ग्रीन कैप के मायने नहींः शेन वॉर्न

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। अपने जमाने के दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न ने जंगलों में लगी आग के पीड़ितों के लिए धन जुटाने में मशहूर बैगी ग्रीन कैप का सहारा लिया था। लेकिन उन्हें ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कैप के प्रति अंधभक्ति अच्छी नहीं लगती। वॉर्न ने कहा कि उन्हें अपने देश की तरफ से खेलना पसंद है और यह मायने नहीं रखता कि उन्होंने बैगी ग्रीन पहनी है या कोई सामान्य टोपी। उन्होंने मेलबर्न के एक रेडियो स्टेशन से कहा, मेरा शुरू से मानना रहा है कि आपको यह साबित करने के लिए बैगी ग्रीन कैप पहनने की जरूरत नहीं है कि आप ऑस्ट्रेलिया की तरफ से खेलना कितना पसंद करते हो। वॉर्न ने कहा, मुझे ऑस्ट्रेलिया की तरफ से क्रिकेट खेलना पसंद है और इसके लिए मुझे इस कैप को पहनने की जरूरत नहीं है।

लॉकडाउन हटने के बाद शीर्ष खिलाड़ियों का अभ्यास शुरू हो जाएगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। खेल मंत्री किरण रिजिजू ने खिलाड़ियों और हितधारकों से संयम बरतने की अपील करते हुए सोमवार को कहा कि कोविड–19 के प्रसार को रोकने के लिए लगाया गया लॉकडाउन हटने के बाद शीर्ष खिलाड़ियों का अभ्यास शुरू कर दिया जाएगा। रिजिजू ने तीन मई की स्थिति को दोहराते हुए कहा कि खिलाड़ियों का स्वास्थ्य उनकी पहली प्राथमिकता है। देश में लगातार बढ़ते मामलों के कारण लॉकडाउन बीच में दो बार बढ़ाया गया था। अभी 17 मई तक बंद रखा गया है। खेल मंत्री ने ट्वीट किया, श्एक बार लॉकडाउन हटने के बाद हम अपने शीर्ष खिलाड़ियों का अभ्यास फिर से शुरू करेंगे, जिसे भारतीय खेल प्राधिकरण के अन्य अभ्यास केंद्रों में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। मैं खिलाड़ियों और अन्य हितधारकों से जल्दबाजी नहीं करने की अपील करता हूं क्योंकि स्वास्थ्य और सुरक्षा अभी हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

फर्राटा धाविका दुती चंद ने अपने गांव में खाने के हजार पैकेट बांटे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। घातक कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई में अपना योगदान देते हुए भारतीय फर्राटा धाविका दुती चंद ने भुवनेश्वर से लगभग 70 किलोमीटर दूर अपने पैतृक गांव के लोगों को खाने का पैकेट बांटे। दुती इस काम के लिए अधिकारियों से विशेष पास लेकर ओडिशा के जाजपुर जिले में अपने गांव चाका गोपालपुर गईं। दुती ने पीटीआई–भाषा से कहा, 'इस लॉकडाउन से मेरे गांव के लोगों को बहुत तकलीफ में है। मैं बस उनकी मदद करना चाहती थी। इसलिए, मैंने विशेष पास लिया और शुक्रवार को अपने गांव में करीब 1000 लोगों को भोजन के पैकेट बांटे।' 24 साल की इस धाविका ने कहा, 'मैंने और मेरे परिवार ने गांव वालों को मेरी यात्रा के बारे में पहले ही बता दिया था। लोग मेरे घर आए और मैंने उन्हें खाने के पैकेट दिए।' दुती फिलहाल भुवनेश्वर की एक संस्था से 'बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन' की पढ़ाई कर रही हैं।

जावेद मियांदाद ने मांगी भीख, बोले– उतार दूंगा पाकिस्तान का कर्ज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने पाकिस्तान का कर्जा (क्मइज वद चंपेजंद) उतारने के लिए एक बैंक अकाउंट खोलने का फैसला किया है। मियांदाद ने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट कर इस बात की घोषणा की। इस वीडियो में वह अपने इस प्लान के बारे में खुलकर बात कर रहे हैं। मियांदाद का दावा है कि वह इस अकाउंट में आने वाले दान से आईएमएफ का कर्जा उतारेंगे। वीडियो में मियांदाद हर पाकिस्तानी, जिसमें मुल्क को लूटने वाले भ्रष्ट पाकिस्तानी भी शामिल हैं, से इस कैंपेन में जमकर दान देने की अपील की है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा वह भीख मांग रहे हैं लेकिन अपने लिए नहीं बल्कि मुल्क के लिए। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही नैशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान में एक खाता खोलेंगे, जिसमें लोग पैसा जमा करवा सकेंगे। मियांदाद ने कहा कि यह एक अंतरराष्ट्रीय बैंक खाता होगा। पाकिस्तान के इस पूर्व कप्तान और पूर्व कोच ने कहा, श्यह खाता वह अपने नाम से खुलवाएंगे और इसका एक भी पैसा गलत इस्तेमाल नहीं होगा।